काव्यप्रकाश से सम्बन्धित वस्तुनिष्ठ प्रश्न

डा० धनञ्जय वासुदेव द्विवेदी
सहायक प्रोफेसर, संस्कृत विभाग,
डा० श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, राँची

१. 'काव्यप्रकाश' के रचनाकार कौन है?

(अ) दण्डी **(ब) मम्मट** (स) कुंतक (द) भोज

२. काव्यप्रकाश किसमें विभक्त है?

(अ) अध्यायों में (ब) अंकों में (स) सर्गों में **(द) उल्लासों में**

३. काव्यप्रकाश कितने उल्लासों में भक्त है?

(अ) 10 (ब) 12 (स) 8 (द) 11

४. काव्यप्रकाश के मंगलाचरण में किसकी स्तुति है?

(अ) कविभारती की (ब) विष्णु (स) ब्रह्मा (द) शिव

५. काव्यप्रकाश के मंगलाचरण में छंद?

(अ) अनुष्टुप् **(ब) आर्या** (स) स्रग्धरा (द) उपजाति

६. लौकिक रसों की संख्या कितनी है-

(अ) नव (ब) अष्ट **(स) षट्** (द) सप्त

७. काव्यरसों की संख्या कितनी है-

(अ) नव (ब) अष्ट (स) षट् (द) सप्त

८. मम्मट के मत में सकलप्रयोजनमौलिभूत प्रयोजन क्या है?

(अ) यशःप्राप्ति (ब) अर्थप्राप्ति **(स) सद्यःपरनिर्वृत्तिः** (द) कान्तासम्मितोपदेश

९. सुहृत्सम्मितोपदेश किस शास्त्र का विषय है-

(अ) वेद **(ब) पुराण** (स) काव्य (द) तन्त्र

१०. मम्मटाधारित काव्यप्रयोजन के अनुसार किस कवि ने श्रीहर्ष से धन प्राप्त किया-

(अ) धोयी **(ब) धावक** (स) धनिक (द) धनञ्जय

११. मम्मट का काव्यलक्षण बताइये?

(अ) तददोषौ शब्दार्थौ सगुणावनलंकृती पुनः क्वापि (ब) वाक्यं रसात्मकं काव्यम्

(स) शब्दार्थौ काव्यम् (द) इनमें से कोई नहीं

१२. मम्मट के काव्यलक्षण में 'अनलङ्कृती पुनः क्वापि'-इसका क्या अर्थ है-

(अ) सालाङ्कारौ शब्दार्थौ (ब) अलङ्कारविरहौ शब्दार्थौ

(स) ईषदलङ्कारौ शब्दार्थौ **(द) सर्वत्र सालङ्कारौ क्वचिदलङ्काररहितौ शब्दार्थौ**

१३. काव्य के प्रयोजनों की संख्या क्या है?

(अ) 5 (ब) 7 **(स) 6** (द) 8

१४. प्रथम उल्लास का नाम बताइये

(अ) काव्य स्वरूप (ब) अलंकारस्वरूप (स) गुणनिरूपण (द) इनमें से कोई नहीं

१५. द्वितीय उल्लास का नाम बताइये?

(अ) ध्वनि निरूपण **(ब) शब्दार्थस्वरूपनिरूपण** (स) रसनिरूपण (द) रीतिनिरूपण

१६. प्रतीयमान अर्थ किसे कहते है?

(अ) व्यंग्यार्थ (ब) लक्ष्यार्थ (स) वाच्यार्थ (द) तात्पर्यार्थ

१७. अवर काव्य किस का अपर नाम?

(अ) अधम (ब) मध्यम (स) उत्तम (द) इनमें से कोई नहीं

१८. अग्रिमा शक्ति है?

(अ) व्यञ्जना (ब) लक्षणा **(स) अभिधा** (द) तात्पर्य शक्ति

१९. काव्य प्रकाश में कितने अंश है?

(अ) 5 (ब) 8 (स) 10 **(द) 3**

२०. मम्मट्ट की उपाधि क्या है?

(अ) दीपशिखा **(ब) वाग्देवतावतार** (स) घण्टा (द) आतपत्र

२१. मम्मट ने काव्य के कितने प्रयोजन माने हैं?

(अ) 6 (ब) 8 (स) 10 (द) 3

२२. साक्षात् संकेतितमयोअर्थमभिधत्ते स; .....?

(अ) लाक्षणिक (ब) व्यञ्जक **(स) वाचक** (द) इनमें से कोई नहीं

२३. स मुख्यस्तत्र मुख्यव्यापारोऽस्याभिधोच्यते-यह किसका मत है-

(अ) मुकुलभट्ट (ब) महिमभट्ट **(स) मम्मट** (द) विश्वनाथ

२४. कितने प्रकार के काव्य हेतु माने गए है ?

(अ) पाँच **(ब) तीन** (स) चार (द) सात

२५. "काव्यं यशसेऽर्थकृते व्यवहारविदे शिवेतरक्षतये
सद्यःपरनिर्वृतये कान्तासम्मिततयोपदेशयुजे।"

काव्य प्रयोजन में उक्त परिभाषा किसकी है ?

(अ) भामह (ब) कुंतक **(स) मम्मट** (द) जगन्नाथ

२६. शब्दशक्ति के मूलतः कितने भेद माने गए है ?

(अ) एक (ब) चार (स) पाँच **(द) तीन**

२७. जब प्रसिद्ध अर्थ अथवा साक्षात् संकेतित अर्थ-बोध के मूल कारण उपलब्ध हों तब कौन-सी शब्दशक्ति होती है ?

(अ) लक्षणा **(ब) अभिधा** (स) व्यंजना (द) तात्पर्यवृत्ति

२८. जहाँ मुख्यार्थ की बाधा होने पर रूढ़ि अथवा प्रयोजन के कारण मुख्यार्थ से संबद्ध अन्य अर्थ लक्षित हो वहाँ शब्दशक्ति होती है ?

(अ) लक्षणा (ब) तात्पर्य (स) अभिधा (द) व्यंजना

२९. रूढ़ा और प्रयोजनवती किस शब्दशक्ति के प्रमुख भेद है ?

(अ) अभिधा (ब) व्यंजना **(स) लक्षणा** (द) तात्पर्यवृत्ति

३०. 'लक्षणा तेन षड्विधा'- यह किस काव्यशास्त्री के द्वारा कहा गया है-

(अ) विश्वनाथ **(ब) मम्मट** (स) जगन्नाथ (द) अप्प्यदीक्षित

३१. मम्मट ने उपादान लक्षणा का क्या उदाहरण दिया है-

(अ) गौर्वाहीकः **(ब) कुन्ताः प्रविशन्ति** (स) गङ्गायां गोषः (द) आयुरेवेदम्

३२. रूढिमूललक्षणा का उदाहरण क्या है-

(अ)गङ्गायां घोषः (ब) कुन्ताः प्रविशन्ति **(स) कर्मणि कुशलः** (द) मञ्चाः क्रोशन्ति

३३. अभिधा और लक्षणा द्वारा अपना-अपना अर्थ बताकर शांत हो जाने पर किसी अन्य ही अर्थ का बोधन होता है, वहाँ कौन-सी शब्दशक्ति होती है ?

(अ) तात्पर्यवृत्ति **(ब) व्यंजना** (स) लक्षणा (द) अभिधा

३४. नाभिधा समयाभावात्-यहाँ पर 'समय' से क्या तात्पर्य है-

(अ) सम्बन्ध **(ब) सङ्केत** (स) काल (द) अवसर

३५. ध्वनि-सिद्धांत के प्रवर्तक माने जाते है ?

(अ) आनंदवर्धन (ब) मम्मट (स) भामह (द) वामन

३६. 'विभावानुभावव्यभिचारिसंयोगाद् रसनिष्पति'' -रसनिष्पत्ति के संबंध में उक्त प्रख्यात कथन किसका है?

(अ) नन्दिकेश्वर **(ब) भरत** (स) आनंदवर्धन (द) भोज

३७. सामान्यतः स्थायी भावों की संख्या कितनी मानी जाती है ?

(अ) नौ (ब) आठ (स) चार (द) छह

३८. शृङ्गार रस का स्थायीभाव है-

(अ) रति (ब) हास (स) क्रोध (द) जुगुप्सा

३९. बीभत्स रस का स्थायी भाव है ?

(अ) विस्मय **(ब) जुगुप्सा** (स) निर्वेद (द) शोक

४०. शोक किस रस का स्थायीभाव है-

(अ) विप्रलम्भ **(ब) करुण** (स) रौद्र (द) वीर

४१. रसनिष्पत्ति के प्रथम व्याख्याकार कौन है ?

(अ) श्री शंकुक (ब) भट्टनायक **(स) भट्ट लोल्लट** (द) अभिनवगुप्त

४२. सामाजिक के हृदय में वासना रूप में स्थित रति, उत्साह, शोक आदि भावों के उद्बोधक कारणों को कहते हैं?

(अ) स्थायी भाव **(ब) संचारी भाव** (स) विभाग (द) अनुभाव

४३. आलंबन और उद्दीपन रस के किस अंग के भेद है?

(अ) स्थायी भाव (ब) संचारी भाव (स) व्यभिचारी भाव **(द) विभाव**

४४. रत्यादि स्थायी भावों को प्रकाशित करने वाली आश्रय की बाह्य चेष्टाएँ कहलाती है?

(अ) स्थायी भाव **(ब) अनुभाव** (स) विभाव (द) व्यभिचारिभाव

४५. अनुभाव के कितने रूप माने गए है ?

(अ) चार (ब) तीन (स) पाँच (द) एक

४६. व्यभिचारी भावों की संख्या सामान्यतः कितनी मानी गई है ?

(अ) तैंतीस (ब) पचास (स) दस (द) पाँच

४७. रस का भोक्ता वास्तविक रामादि एवं नट को किसने माना ?

(अ) भट्टनायक **(ब) भट्टलोल्लट** (स) अभिनवगुप्त (द) श्री शंकुक

४८. रसनिष्पत्ति के संदर्भ में किस आचार्य के सिद्धांत को आरोपवाद की संज्ञा दी गई?

(अ) श्री शंकुक **(ब) भट्टलोल्लट** (स) अभिनवगुप्त (द) भट्टनायक

४९. किस आचार्य के सिद्धांत को रसनिष्पत्ति के संदर्भ में अनुमानवाद की संज्ञा दी गई ?

(अ) श्री शंकुक (ब) भट्टनायक (स) भट्टलोल्लट (द) अभिनवगुप्त

५०. किस आचार्य का सिद्धांत चित्र-तुरंग-न्याय पर आधारित था ?

(अ) भट्टलोल्लट (ब) भट्टनायक **(स) शंकुक** (द) अभिनवगुप्त

५१. किस आचार्य को साधारणीकरण का प्रवर्तक माना जाता है ?

(अ) भट्टनायक (ब) श्री शंकुक (स) अभिनवगुप्त (द) भट्टलोल्लट

५२. अभिधा, भावकत्व और भोग, काव्य के तीन व्यापार किस आचार्य ने माने?

(अ) भट्टलोल्लट (ब) अभिनवगुप्त (स) शंकुक **(द) भट्टनायक**

५३. 'अभिव्यक्तिवाद' किस आचार्य का सिद्धांत है ?

(अ) भट्टनायक **(ब) अभिनवगुप्त** (स) भट्टलोल्लट (द) शंकुक

५४. भट्टनायक का भोजकत्व व्यापार अभिनवगुप्त के मन में किस नाम से अभिहित हुआ है ?

(अ) रसाभिव्यक्ति (ब) भावाभिव्यक्ति (स) भावकत्व (द) आरोपवाद

५५. भरत-सूत्र के अंतिम व्याख्याता है ?

(अ) भट्टनायक (ब) शंकुक **(स) अभिनवगुप्त** (द) भट्टलोल्लट

५६. न्याय सिद्धांत के आधार पर रसनिष्पत्ति की व्याख्या करने वाले व्याख्याकार थे?

(अ) अभिनवगुप्त **(ब) शंकुक** (स) रामचंद्र शुक्ल (द) भट्टनायक

५७. सांख्य दर्शन के आधार पर रसनिष्पत्ति की व्याख्या करने वाले व्याख्याकार कौन है ?

(अ) भट्टनायक (ब) डा. नगेन्द्र (स) शंकुक (द) भट्टलोल्लट

५८. वेदांतानुसार रसनिष्पत्ति की व्याख्या करने वाले व्याख्याकार कौन है ?

(अ) शंकुक (ब) भट्टनायक (स) भट्टलोल्लट **(द) अभिनवगुप्त**

५९. 'तद्दोषौ शब्दार्थौ सगुणावनलंकृती पुनः क्वापि' -किसने कहा था ?

(अ) मम्मट (ब) जगन्नाथ (स) विश्वनाथ (द) रामचंद्र शुक्ल

६०. रसनिष्पत्ति में प्रेक्षक की अनुभूति की उपेक्षा करने वाले व्याख्याकार कौन है?

(अ) शंकुक (ब) अभिनवगुप्त (स) भट्टनायक **(द) भट्टलोल्लट**

६१. मम्मट के अनुसार गुणों की संख्या है-

(अ) 3 (ब) 6 (स) 5 (द) 4